आज होरी मची लठमार | By Krishna Pallavi Das

आज होरी मची लठमार
चलो रो सखी बरसाने

नन्द गाँव से टोली आई
जां में प्रमुख हैं कृष्ण कन्हाई
श्यामा प्यारी को दियो ललकार
चलो रो सखी बरसाने

घेर लई गली सखी रंगीली
फ़ेंक गुलाल कपोलन दीनी
बिखरयो है सारा श्रृंगार
चलो रो सखी बरसाने

सुन रे कन्हैया मोहे फगवा देदे
मोर पंख चाहे बांसुरी देदे
नी तो जाऊं जसोदा के पास
चलो रो सखी बरसाने

ऐसी होरी तोहे खिलाऊँ
नर ते नार तोहे बनाऊं
कृष्ण पल्लवी जावे बलिहार
चलो रो सखी बरसाने

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%9c-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%9a%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a4%a0%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-krishna-pallavi-das/